ISSN 2229-5550

नाट्यम् 81

अप्रैल-जून, 2017

Scanned by TapScanner

नाट्यम् अप्रैल-जून, 81

Scanned by TapScanner

ISSN : 2229-5550

नाट्यम् 81 अप्रैल-जून, 2017

रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोधपत्रिका

प्रधान संपादक

राधावल्लभ त्रिपाठी

संपादक

आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

प्रबन्ध संपादक

सञ्जय कुमार

संपादक मण्डल

नौनिहाल गौतम

रामहेत गौतम

शशिकुमार सिंह

किरण आर्या

प्रकाशक

नाट्य परिषद्, संस्कृत विभाग

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

Scanned by TapScanner

नाट्यम्
रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका,
अंक : 81, अप्रैल-जून, 2017
UGC Approved Journal Sr. No. 41002
ISSN : 2229-5550
नाट्य परिषद् (पंजीकरण क्र. 100066)
संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
दूरभाष-फैक्स (कार्यालय) 07582-264366 पिन-470 003

Natyam : A Quarterly Journal of theatre and aesthetics
published by Natya Parisad. Deptt. of Sanskrit,
Doctor Harisingh Gour University, Sagar,
Madhya Pradesh-Pin-470 003. India.
Phone-Fax (off.) : 07582-264366

सदस्यता शुल्क :
प्रत्येक अंक - 25/- रु., वार्षिक - 100/- रु.
आजीवन (प्रति व्यक्ति) - 2000/- रु.
आजीवन (प्रति संस्था) - 5000/- रु.

यह शुल्क मनीआर्डर, चेक या नगद दिया जा सकता है
जो नाट्य परिषद् सागर के नाम देय होगा।

पत्रव्यवहार :
प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) 470003
e-mail : sanskritsagar1946@gmail.com
© सर्वाधिकार सुरक्षित

मुद्रण : अजय जैन, **अमन प्रकाशन** नमक मंडी,
कटरा, सागर (म.प्र.) मो. 9826434225

नाट्यम् में प्रकाशित नाटकों के अनुवादों/रूपान्तरों या किसी भी अन्य सामग्री की किसी भी रूप में प्रस्तुति के लिए *नाट्य परिषद्* से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।
प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति अथवा विचारों से *नाट्य परिषद्*, संपादक या संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सूचना - आजीवन ग्राहकों को डाक व्यय 250 रु. (दो सौ पचास रूपये मात्र) पर नाट्यम् के उपलब्ध पुराने अंक भी निःशुल्क देय हैं।

अनुक्रम

1. नाट्य-शास्त्र के विकास में नाट्य दर्पणकार रामचन्द्र-गुणचन्द्र का योगदान — 9
संगीता मेहता

2. संस्कृत नाटकों में रामकथा — 16
सञ्जय कुमार

3. उत्तररामचरितम् : राम की सीता कथा — 32
आशुतोष

4. विदग्धमाधवम् की नायिका राधा का नाट्यशास्त्रीय पक्ष — 49
नौनिहाल गौतम

5. आतंकवाद को अभिव्यञ्जित करता कश्मीर क्रन्दन नाटक — 60
वत्सला

6. आधुनिक संस्कृत नाटक लीलाभोजराजम् का वैशिष्ट्य — 71
शाहीन जाफरी

7. मुरारी कृत अनर्घराघवम् नाटक में अद्भुत रस-विवेचन — 76
बाबूलाल मीना

8. संवादों में दुष्यन्त का औदात्य — 83
कृष्णमोहन पाण्डेय

9. प्रशान्तराघवम् नाटक के नायक राघव — 90
अलीविया रज़ा

10. संस्कृत नाटकों में प्रयुक्त नान्दी का आधुनिक स्वरूप — 95
सौम्या कृष्ण

Scanned by TapScanner

11. **नाट्यशास्त्र में सुकुमार नृत्त का स्वरूप** 100
गोपाल लाल मीना

12. **अनर्घराघव में भाषा के विविध रूप** 108
राहुल

13. **अशोक विजयम् में धर्मदृष्टि** 113
रामहेत गौतम

14. **मृच्छकटिक में वर्णित लोक का यथार्थ चित्रण** 122
प्रभात कुमार सिंह

Scanned by TapScanner